सांध्य दैनिक

4PM

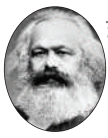

इतिहास खुद को दोहराता है, पहले एक त्रासदी की तरह, दूसरे एक मजाक की तरह
-कार्ल मार्क्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 41 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 16 मार्च, 2023

यूपी पुलिस पर चलेगा मानवधिकार... 8 | आर्थिक नीतियों पर हावी न हो... 3 | आरक्षण विरोधी है भाजपा, नहीं... 7

ऐसे कैसे चलेगा देश! सत्ता पक्ष ही कर रहा है हंगामा

- » सत्र का चौथा दिन भी हंगामें की भेंट चढ़ा
- » भाजपा राहुल के माफी मांगने पर अड़ी, विपक्ष जेपीसी बनाने पर डटा
- » मैं सदन में दूंगा जवाब : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बजट सत्र के दूसरे चरण के चौथे दिन भी कोई काम नहीं हो सका। भाजपा व विपक्षी दलों में सत्र शुरू होते ही नोंक-झोंक शुरू हो गई। हंगामा बढ़ते देख सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को भी जोरदार हंगामा हुआ।

हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। बीजेपी राहुल गांधी द्वारा लंदन में दिए बयान को लेकर कांग्रेस को घेर रही है, जबकि विपक्षी दल हिंडनबर्ग के मुद्दे पर जेपीसी की मांग को लेकर सरकार पर निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आज संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने पहुंचे। संसद पहुंचने पर पत्रकारों से उन्होंने कहा कि बोलने का मौका मिला तो वह सारे सवालों का जवाब सदन में जरूर देंगे।

भाजपा सदन को नहीं चलने देने की साजिश कर रही है : खरगे

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा की सदन को नहीं चलने देने की साजिश है और हमारी जो जेपीसी की मांग है उसको नजरअंदाज करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। वे बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को एक तरफ रखकर लोगों को राहुल गांधी का लोकतांत्रिक भाषण दिखा रहे हैं। जब-जब पीएम खुद बाहर गए हैं तो उन्होंने देश के खिलाफ बात की और जनता का अपमान किया। वहीं कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सांसदों को दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चर्चा करने के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अदाणी के शेयरों के मुद्दे पर नियम 267 के तहत सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने अदाणी मामले में जेपीसी जांच की मांग करते हुए सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया।

मोदी ने बुलाई वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक खरगे से मिले विपक्षी दल के नेता

चौथे दिन का सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में शीर्ष मंत्रियों के साथ बैठक की। इनमें राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, किरेन रिजिजू और प्रह्लाद जोशी शामिल हैं। वहीं, समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के ऑफिस में मीटिंग में शामिल हुए।

राहुल गांधी ने लंदन में जाकर झूठ बोला : रिजिजू

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, अगर राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस को मुश्किलें होती हैं, तो हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन अगर वह देश को बदनाम करते हैं तो इस देश का नागरिक होने के नाते हम चुप नहीं रहेंगे। रिजिजू ने आगे कहा कि कोई अगर देश को गाली देगा तो ये देश उसको कभी माफ नहीं करेगा। देश के लोगों ने अगर कांग्रेस को नकार दिया है तो यह हमारी गलती नहीं है। दो बातें मैं बहुत ही स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं- राहुल गांधी ने लंदन में जाकर झूठ बोला। संसद में जितना समय उन्हें दिया गया था उस से अधिक उन्होंने बोला। सदन के नियमों को तार-तार कर झूठ बोला। दूसरा- उन्होंने बोला कि वो देश में जाकर अपनी बात नहीं कह सकते हैं, रोक दिया जाता है, लेकिन आप सबने देखा कि उन्होंने यात्रा की और बोलते रहे।

जासूसी मामला

सिसोदिया पर केस दर्ज

- » गृह मंत्रालय ने सीबीआई को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता व दिल्ली की पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की मुश्किले कम नही हो रही हैं। अबकी बार जासूसी मामले में मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज कर लिया है।

केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज कर जांच करनी की मंजूरी दी है।

ये है मामला

ये मंजूरी दिल्ली सरकार की फीड बैक यूनिट (एफबीयू) के गठन और उसमें की गयी अवैध नियुक्तियों में हुये भ्रष्टाचार को लेकर की गयी है। इस मामले में सीबीआई ने नवंबर 2016 में प्राथमिकी दर्ज कर अपनी जांच शुरू की थी और पाया था कि इस यूनिट को बनाने में भ्रष्टाचार किया गया है और नियमों को ताक पर रख कर इस यूनिट का गठन किया गया है. ये जांच सीबीआई ने तत्कालीन डिप्टी सेक्रेटरी विजिलेंस दिल्ली सरकार के एस मीणा की शिकायत पर की थी। सरकार ने फरवरी 2016 में दिल्ली सरकार के अधिन काम करने वाले कर्मचारियों के भ्रष्टाचार और काम काज पर नजर रखने के लिये फीड बैक यूनिट का गठन किया था। तत्कालीन सचिव विजिलेंस ने 28 अक्टूबर 2015 को दिल्ली के मुख्यमंत्री को एफबीयू गठन का प्रपोजल दिया, जिसे मंजूर किया गया ।

तेजस्वी को कोर्ट से नहीं मिली राहत

- » 25 मार्च को सीबीआई के सामने होना होगा पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिली। दिल्ली में सुनवाई को मामले को लेकर कोर्ट के दरवाज पर पहुंचे तेजस्वी यादव को अदालत ने 25 मार्च को सीबीआई के सामने पेश होने का आदेश दिया है। हालांकि सीबीआई ने कोर्ट में कहा कि वह मार्च में तेजस्वी को गिरफ्तार नहीं करेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल अर्जी में तेजस्वी ने उनके खिलाफ सीबीआई के समन को रद्द करने की मांग की थी। याचिका में तेजस्वी ने कहा है कि जब वह पटना में रह रहे हैं तो उन्हें सीबीआई दिल्ली में समन जारी कर रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने तेजस्वी यादव की सीबीआई द्वारा जारी समन को रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया।

अर्जी में यह कहा था

अर्जी में तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीआरपीसी की धारा 160 के तहत नोटिस केवल स्थानीय अधिकार क्षेत्र में ही जारी किया जा सकता है। सीबीआई उन्हें दिल्ली में पेश होने के लिए नोटिस जारी कर कानून का घोर उल्लंघन कर रही है। तेजस्वी की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया कि उन्होंने सीबीआई से वर्तमान बिहार विधानसभा सत्र के खत्म होने तक का समय मांगा है. तीन बार वह सीबीआई से यह अनुरोध कर चुके हैं। बिहार के डिप्टी सीएम ने अर्जी दाखिल कर कहा है कि नवनियुक्त डिप्टी सीएम के तौर पर सत्र में शामिल होना उनका दायित्व है।

गौतलब हो कि इससे पहले कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती को दी जमानत दे दी थी।

सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करना जरूरी : मायावती

बाबा साहब के अनुयायियों का आज भी तिरस्कार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बाबा भीमराव आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने का काम करने वाले उनके समाज, अनुयायियों की उपेक्षा, तिरस्कार व इनके खिलाफ षड्यंत्र आज भी जारी है। इसका उचित जवाब चुनावी सफलता प्राप्त करते सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके देते रहना जरूरी है।

यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री ने बसपा संस्थापक कांशीराम के जन्मदिवस पर कहा कि कांशीराम ने वंचित शोषित और बहुजन समाज को राजनीतिक शक्ति के रूप में खड़ा किया है। उन्होंने बामसेफ, डीएस4 व बहुजन समाज पार्टी के जरिए सदियों से वंचित-शोषित बहुजन समाज को राजनीतिक शक्ति के रूप में खड़ा करके परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट को कांशीराम ने आत्मबल व गति दी। इसी बीएसपी मूवमेन्ट को जमीनी मजबूती तथा यूपी में चार बार बनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय सरकार में उसका करोड़ों लोगों को सही लाभ पहुंचाकर उन्हें सत्ता की शक्ति के बल से सुसज्जित किया गया, जो देश में 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' के अहम मामले में बेहतरीन एवं बेमिसाल है। किन्तु अम्बेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने वाले कांशीराम व उनके समाज/अनुयाइयों की उपेक्षा, तिरस्कार व षडयंत्र का क्रम विरोधियों द्वारा आज भी लगातार जारी है, जिसका उचित जवाब चुनावी सफलता व सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके देते रहना जरूरी।

बसपा मप्र में पूरे दम से लड़ेगी : राम बाई

ग्वालियर। चुनाव आते ही एमपी में राजनीतिक पार्टियां अब सक्रिय हो गई हैं। बीएसपी ने अपने पुराने गढ़ ग्वालियर-चंबल में तैयारी शुरू कर दी है। ग्वालियर-चंबल में बीएसपी से दूसरे दलों के नेता जुड़ने लगे हैं। कई नेताओं पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने बीएसपी विधायक राम बाई भी पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी विधानसभाओं सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसको लेकर उन्होंने तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं, ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ ग्वालियर को लेकर कहा कि काहे के सिंधिया...। सिंधिया की यहां कोई जड़े गड़ी है। जनता जब करवट लेती है तो अच्छे-अच्छे को पटखनी दे देती है। यही हाल ज्योतिरादित्य सिंधिया का हो चुका है। रमाबाई ने कहा कि अबकी बार विधानसभा के चुनाव में ग्वालियर चंबल अंचल की जनता बीजेपी और कांग्रेस को सबक सिखाने वाली है। दोनों ही पार्टियां खरीद-फरोख्त का काम करती है। उन्होंने कहा कि मैं भगवान की कसम खाती हूं मुझे टिकट के लिए एक रुपए भी नहीं देना पड़ा था। जब बहन मायावती मेरे चुनाव के दौरान प्रचार प्रसार करने के लिए गई थी तो खुद उनका 10 से 15 लाख रुपए लगा था।

किस वजह से शिवसेना में हुई बगावत : सीजेआई

» जस्टीस चंद्रचूड़ ने कहा-किसी न किसी को तो इसका जवाब देना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने शिवसेना के बागी सदस्यों से अलग होने की वजह पूछी है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि तीन साल बाद बगावत करने वाले विधायकों ने एमवीए गठबंधन पर आपत्ति क्यों जताई? अगर ऐसा था तो पहले ही इस तरह की सरकार बनाने पर क्यों राजी हो गए। चीफ जस्टिस ने शिंदे गुट से पूछा कि आप सभी एक खुशहाल शादीशुदा रिश्ते में थे फिर अचानक क्या हुआ? तीन साल आप साथ रहते हैं और फिर राजनीति का मजा लेने के बाद अचानक आप कहते हैं कि हमारा काम हो गया। किसी न किसी को तो इसका जवाब देना होगा न।

मामले में सुनवाई कर रही बेंच ने राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। बेंच ने कहा कि पार्टी के अंदर अगर आपसी मतभेद चल रहा है तो राज्यपाल का इसमें कैसे हस्तक्षेप हो सकता है? सीजेआई ने राज्यपाल पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि आप तीन साल से क्या कर रहे थे? राज्यपाल को कैसे अंदाजा हो गया कि आगे क्या होने वाला है? फ्लोर टेस्ट बुलाने के मामले को लेकर भी बेंच ने सवाल खड़े किए। जिसमें कहा गया कि इसका कोई मतलब ही नहीं बनता है। अगर मतभेद के चलते पार्टी का नया नेता चुनना है तो इसमें फ्लोर टेस्ट बुलाने का क्या मतलब है?

मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के साथ हो रहा अन्याय : कमलनाथ

» शिवराज सरकार पर बोला हमला, कहा-पुरानी पेंशन स्कीम लागू की जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने साफ तौर पर कहा है कि राज्य सरकार कर्मचारियों के साथ अन्याय कर रही है, कर्मचारियों की साधारण मांग है। पुरानी पेंशन स्कीम लागू की जाए। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो पुरानी पेंशन योजना को आवश्यक तौर पर लागू करेंगे।

शिवराज सरकार के मंत्री विश्वास सारंग का कहना है कि कांग्रेस की आदत हो गई है, बगैर किसी तथ्य की बात करना और विधानसभा का बहिष्कार करना। उधर मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर सरकार की ओर से आए जवाब पर विपक्षी दल कांग्रेस ने विधानसभा में जमकर हंगामा किया और सदन से बर्हिगमन भी किया। विधानसभा में पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सज्जन वर्मा ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना के संबंध में सवाल किया और सरकार से जानना चाहा क्या सरकार के पास ओपीएस के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन है। इस पर वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साफ तौर पर कहा कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना को लेकर सरकार के पास कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के इस सवाल पर कांग्रेस का रुख आक्रामक हो गया और सदन से कांग्रेस ने बहिर्गमन कर लिया और नारेबाजी भी की।

विपक्षी नेताओं को बोलने का मौका नहीं देते स्पीकर : महुआ

» ओम बिड़ला ने बिना विपक्ष के बहस के सदन को कर दिया स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा लोकसभा स्पीकर पर निशाना साधा है। महुआ ने ट्विटर पर लिखा कि अगर इस ट्वीट के लिए उन्हें जेल भी जाना पड़े तो वह तैयार हैं। उस ट्वीट में महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि किस तरह लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने विपक्ष के सांसदों को बोलने का मौका नहीं दिया। स्पीकर सिर्फ बीजेपी सांसदों को बोलने का मौका दे रहे हैं। उसके बाद सदन स्थगित कर दी जा रही है।

तृणमूल संसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि विपक्षी सांसदों ने अडानी के समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग की है। दूसरी ओर सरकार ने मांग की कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों के लिए माफी मांगें। इन दोनों मुद्दों को लेकर संसद के दोनों सदनों में लगातार हंगामा हो रहा है। लेकिन लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने किसी को बोलने का मौका नहीं दिया। यहां तक कि बिना विपक्ष के बहस के सदन को स्थगित कर दिया।

जेल जाने को तैयार हूं

कृष्णानगर से तृणमूल सांसद ने बुधवार देर रात एक ट्वीट किया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए लिखा, पिछले तीन दिनों से हम देख रहे हैं कि अध्यक्ष ओम बिरला केवल बीजेपी के मंत्रियों को संसद में बोलने दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने संसद को स्थगित करने की घोषणा कर दी। किसी भी विपक्षी सदस्य को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। इस ट्वीट के अंत में महुआ लिखती हैं,आज देश के लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। स्पीकर इसे सामने से लीड कर रहे हैं। इसके बाद महुआ ने कमेंट किया,अगर मुझे इस ट्वीट को करने के लिए जेल जाना पड़े तो मैं तो भी मुझे दिक्तत नहीं है।

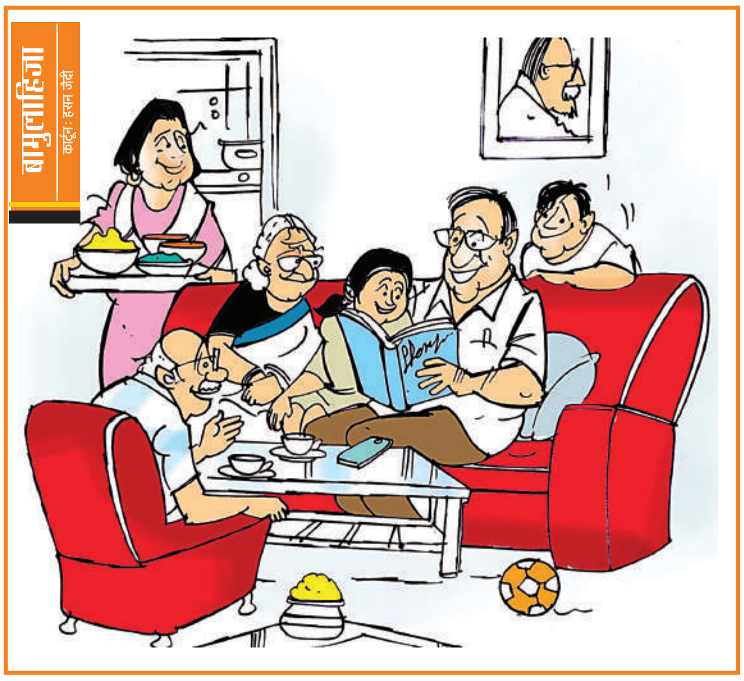

सरकार की आलोचना करना देशद्रोह नहीं : कपिल सिब्बल

» राज्यसभा सांसद ने कहा-मोदी ने अतीत में अक्सर ऐसा किया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिटेन की हालिया यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकतंत्र पर हमले संबंधी बयान को लेकर उठे राजनीतिक बवाल के बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बुधवार को कहा कि चाहे देश में हो या विदेश में, सरकार की आलोचना करना नागरिकों का अधिकार है और इसका मतलब भारत-विरोधी या देशद्रोही होना नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि सदन के कामकाज में व्यवधान, क्यों? न सरकार, भारत का पर्याय है और न भारत, सरकार का पर्याय है। चाहे देश में हो या विदेश में, सरकार की आलोचना करना एक नागरिक का अधिकार है। सरकार की आलोचना करने का मतलब भारत-विरोधी और देशद्रोही होना नहीं है। सिब्बल ने कहा, मोदी जी ने अतीत में अक्सर ऐसा किया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में लगातार तीसरे दिन बुधवार को लोकसभा में हंगामा हुआ।

आर्थिक नीतियों पर हावी न हो राजनीति

अर्थव्यवस्था का लाभ जनता को मिले

» समय-समय पर समीक्षा हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की आर्थिक नीतियों का प्रभाव वहां के नागरिकों पर बहुत तेजी से पड़ता है। अगर नीतियों में जरा भी गड़बड़ी हुई तो सामाजिक परिवेश तो प्रभावित होता ही है पारिवारिक वातावरण भी डावांडोल हो जाता। भारत जैसे देश में जहां लोकतंत्र है और जनता ही सबकुछ है वहां पर देश की अर्थव्यवस्था से जनता अछूती नहीं रह सकती है। चूकि भारत में आर्थिक नीतियों पर राजनीति भी हावी होती है इसलिए यहां पर सरकारों द्वारा लिए गए निर्णय आम से खास लोगों को अपने जद में ले लेते हैं।

अलग-अलग राजनैतिक पार्टियों के अपने-अपने आर्थिक एजेंडे होते हैं। कुछ राजनैतिक दल सबको लेकर सोचते हैं तो कुछ राजनैतिक दल अपने सियासी नफे-नुकसान को भी ध्यान में रखकर फैसले लेते हैं। सत्ता में हो या विपक्ष में राजनैतिक दलों को अपने आर्थिक निर्णयों के जनता पर क्या असर हुए इसकी समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

मोदी सरकार का नोटबंदी का निर्णय सही या गलत बहस का विषय हो सकता है। हालांकि कोर्ट ने इस निर्णय को जायज ठहराया है पर इसका कुप्रभाव पड़ा इससे इंकार नही किया जा सकता हैं। सरकारें अपनी नीतियों को कभी गलत नहीं कहती है। पर उन्हें सोचना चाहिए कि कभी-कभी उनके फैसले गलत भी हो सकत है।

आमजन की कीमत पर न हो आर्थिक फैसले

प्राचीन भारत में अर्थ रचना ऐसी रही है जिससे देश के सभी नागरिक सम्पन्न एवं सुखी रहे हैं। शास्त्रों में संयमित उपभोग की बात कही गई है। भारत की आर्थिक विकास की दर में बहुत तेजी आती दिखाई दे रही है एवं आगे आने वाले समय में आर्थिक प्रगति की गति और अधिक तेज होने की उम्मीद की जा रही है। किसी भी क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ने के अपने लाभ भी हैं और नुकसान भी। आर्थिक क्षेत्र में प्रगति करते समय इसका ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है कि इस संदर्भ में प्रगति के लिए जो नीतियां अपनायी जा रही हैं वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा करती हैं या नहीं। साथ ही, देश में आर्थिक विकास को गति देने के लिए गलत आर्थिक नीतियों को लागू नहीं किया जाये क्योंकि गलत आर्थिक नीतियों को अपनाते हुए आर्थिक स्त्रोतों को बढ़ाना देश एवं जनता के हित में नहीं होता है। आर्थिक प्रगति के इस खंडकाल में इस बात पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है कि भारत की आर्थिक प्रगति में शुचितापूर्ण नीतियों का पालन किया जा रहा है या नहीं। आर्थिक प्रगति किसी भी कीमत पर हो एवं चाहे इसके लिए भविष्य में देश के नागरिकों को भारी कीमत चुकानी पड़े, इसे भारतीय संस्कार मंजूर नहीं करते हैं। भारत को परम वैभव के स्तर पर ले जाने के लिए धर्म के मार्ग पर चलना ही हितकर होगा। वैसे तो पूंजीवादी मॉडल में कई प्रकार की कमियां दिखाई देने लगी हैं परंतु हाल ही के समय की एक ज्वलंत आर्थिक समस्या का वर्णन करना यहां उचित होगा।

बढ़ी है बेरोजगारी

वर्तमान में भारत में भी आर्थिक दृष्टि से कुछ कमियां तो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं, जिन्हें ठीक करना नितांत आवश्यक है। भारत में निचले स्तर की 20 प्रतिशत जनसंख्या की आय देश की कुल आय का 5 प्रतिशत है जबकि ऊपरी स्तर के 20 प्रतिशत जनसंख्या की आय देश की कुल आय का लगभग 50 प्रतिशत है। भारत में जनवरी 2023 में बेरोजगारी की दर 7.14 प्रतिशत थी, जबकि आदर्श स्थिति में यह शून्य के स्तर पर होनी चाहिए। भारत में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों की संख्या वर्ष 2019 में 10.2 प्रतिशत थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय अन्य कई देशों की तुलना में बहुत कम है। प्रत्येक भारतीय की औसत आय 2,200 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि अमेरिका में प्रति व्यक्ति औसत आय 70,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है और चीनी नागरिक की औसत आय 12,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है।

ग्रामीण इलाकों पर ध्यान जरूरी

भारत के ग्रामीण इलाकों में कुटीर उद्योगों के माध्यम से वस्तुओं का उत्पादन प्रचुर मात्रा में किया जाता था एवं वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही सुनिश्चित रखी जाती थी अतः मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन पैदा ही नहीं होने दिया जाता था। भारत ने भी हाल ही में हालांकि ब्याज दरों में वृद्धि की है परंतु विशेष रूप से कृषि उत्पादों की आपूर्ति पर विशेष ध्यान देते हुए महंगाई को तुलनात्मक रूप से नियंत्रण में बनाए रखा है। इसी प्रकार, अन्य विकसित देशों द्वारा भी लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति का हल निकाला जाना चाहिए। विशेष रूप से मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न ही इसलिए होती है कि सिस्टम में उत्पादों की मांग की तुलना में आपूर्ति कम होने लगती है। कोरोना महामारी के दौरान एवं उसके बाद रूस एवं यूक्रेन युद्ध के कारण कई देशों में कई उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। जिसके कारण मुद्रा स्फीति इन देशों में फैली है।

जनता के समस्याओं का हल निकाला जाए

भारत में यह भी कहा गया है कि यह राजा का कर्तव्य है कि वह अपनी प्रजा की अर्थ से सम्बंधित समस्याओं का हल खोजने का प्रयास करे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भी कहा है कि किसी भी राजनैतिक दल के लिए केवल राजनैतिक सत्ता हासिल करना अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि यह एक माध्यम बनना चाहिए इस बात के लिए कि देश के गरीब से गरीब व्यक्ति तक आर्थिक विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। उपाध्याय ने इस संदर्भ में एक मॉडल भी दिया है जिसे उन्होंने एकात्म मानववाद का नाम दिया है। इस मॉडल के क्रियान्वयन से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का विकास होगा। उसका सर्वांगीण उदय होगा। उक्त मॉडल को साम्यवाद, समाजवाद, पूंजीवाद या साम्राज्यवाद आदि से हटाकर राष्ट्रवाद का धरातल दिया गया है। भारत का राष्ट्रवाद विश्व कल्याणकारी है क्योंकि उसने वसुधैव कुटुम्बकम की संकल्पना के आधार पर सर्वे भवन्तु सुखिन को ही अपना अंतिम लक्ष्य माना है। यही हम सभी भारतीयों का लक्ष्य बनना चाहिए इस प्रकार भारत को अपनी आर्थिक तरक्की के समय पश्चिमी दर्शन के स्थान पर भारतीय दर्शन को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि पश्चिमी देशों में उत्पन्न हुई नैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से आर्थिक विकास के शुरुआती दौर में ही बचा जा सके।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देश हित में हो फैसला

“

भारत में समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने के सवाल को सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की संविधान बेंच के सामने भेजा है। केंद्र सरकार का कहना है कि इसपर केसल संसद को फैसला करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग से जुड़ी याचिकाओं को पांच जजों वाली संविधान पीठ के पास भेजने का फैसला किया है।

देश में एक बार फिर समलैंगिकों की शादी का मुद्दा बाहर निकल आया है। इस मामले में केंद्र सरकार ने कहा है कि इस तरह के फैसले देश की संस्कृति को नुकसान पहुंचाते है। सरकार ने कोर्ट से भी निवेदन किया है कि इस पर विचार करे। उधर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। भारत में समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने के सवाल को सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की संविधान बेंच के सामने भेजा है। केंद्र सरकार का कहना है कि इसपर केसल संसद को फैसला करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग से जुड़ी याचिकाओं को पांच जजों वाली संविधान पीठ के पास भेजने का फैसला किया है। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ तौर पर कहा कि वह समलैंगिक शादियों के खिलाफ है क्योंकि ये भारतीय पारिवारिक इकाई में फिट नहीं बैठतीं।

सरकार का यह भी कहना था कि समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने का सवाल नीतिगत मसलों की श्रेणी में आता है और इसलिए इस पर कानून बनाने का अधिकार विधायिका को ही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने महसूस किया कि इन याचिकाओं में ऐसे कई पहलू हैं जो संविधान की व्याख्या से जुड़े हैं। अब 18 अप्रैल से पांच सदस्यों वाली संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। बहरहाल, इतना तो स्पष्ट हो ही चुका है कि समाज का बड़ा हिस्सा इन सवालों को पारंपरिक नजरिये से देखता है और राजनीति की मुख्य धारा इस बात को अनदेखा नहीं कर सकती। लेकिन अगर हम दुनिया के अन्य देशों के अनुभवों और वहां हो रहे बदलावों पर गौर करें तो बिलकुल अलग हालात नजर आते हैं। कई देशों में पहले ही वैवाहिक समानता को कानूनी तौर पर स्थापित किया जा चुका है। आयरलैंड जैसे धार्मिक माने जाने वाले देश में भी जनमतसंग्रह के बाद समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता दी गई। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी बहुमत आबादी की राय में समय के साथ बदलाव आया। यहां तक कि जापान जैसे देश में जहां अब भी समलैंगिक शादी गैरकानूनी मानी जाती है, 'पार्टनरशिप ओथ सिस्टम' के जरिए इनके लिए गुंजाइश बना दी गई है। ऐसे ही अन्य देशों में जहां अब तक समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने का फैसला नहीं हो पाया है, रजिस्टर्ड सिविल युनियन या डोमेस्टिक पार्टनरशिप की इजाजत दे दी गई है। इनमें धार्मिक मान्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन तकरीबन वे सारे अधिकार मिल जाते हैं जो किसी भी लीगल कपल को हासिल होते हैं, चाहे वह बच्चे पाने और उनका पालन-पोषण करने की बात हो या उत्तराधिकार की या फिर साथ में बैंक अकाउंट संचालित करने की। फ्रांस और उत्तरी यूरोप के देशों में सिविल युनियंस का विकल्प पारंपरिक शादियों से भी ज्यादा लोकप्रिय है। यह ऐसी चीज है जिस पर भारतीय अदालतों और कानून निर्माताओं को खास तौर पर गौर करना चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिकी बैंक के दिवालिया होने के मायने

डॉ. सुरजीत सिंह

कैलिफोर्निया स्थित अमेरिका के 40 साल पुराने और स्थापित सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने के बाद सिल्वर गेट और सिग्नेचर बैंक भी डूब चुके हैं। इन बैंकों के दिवालिया होने के बाद उन सभी छोटे अमेरिकी बैंकों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं, जिनका व्यवसाय इन बैंकों के साथ जुड़ा हुआ है। अमेरिका के बैंकिंग सेक्टर की मुश्किलें बहुत बढ़ गई हैं। आर्थिक जगत के विद्वान अचंभित हैं। दुनियाभर के शेयर बाजार सहमे हुए हैं। बैंक के प्रदर्शन और क्रेडिट गुणवत्ता के आधार पर फरवरी, 2023 में सिलिकॉन वैली बैंक को फोर्ब्स ने 100 सर्वश्रेष्ठ बैंकों की वार्षिक सूची में शीर्ष 20 में स्थान दिया था।

करीब 44 प्रतिशत तकनीकी और स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों के साथ कारोबार करने वाले इस बैंक के शेयर की कीमत डॉलर से भी अधिक थी। कुल 210 अरब डॉलर का कारोबार एवं 175.4 अरब डॉलर (दिसंबर, 2022 में) की जमापूंजी वाला सिलिकॉन वैली बैंक अर्श से फर्श पर है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि दुनियाभर के तकनीकी आधारित नये स्टार्टअप्स को वित्तीय सहारा देने वाला सिलिकॉन वैली बैंक डूब गया? कुछ विद्वानों ने आशंका व्यक्त की कि 2008 में आ चुकी मंदी पुन: खुद को दोहराएगी। जमाकर्ताओं की बड़ी धनराशि डूबने का असर होगा कि ये कंपनियां अपने कर्मचारियों को उनका वेतन नहीं दे पाएंगी, जिससे लोगों की नौकरी चली जायेगी। अमेरिका सहित विश्व के वित्तीय बाजार में स्थितियां और अधिक खराब होने से बचाने के लिए अमेरिका के केन्द्रीय फेडरल बैंक ने जमाकर्ताओं को विश्वास दिलाया है कि उनकी जमापूंजी सुरक्षित रहेगी। यह समझना महत्वपूर्ण होगा कि आखिर यह बैंक डूबा क्यों? बैंक हमेशा लेन-देन पर चलता है। जब बैंक अपने ऋणों पर तो दो से तीन प्रतिशत ब्याज लेगा और अपने जमाकर्ताओं को 5 प्रतिशत ब्याज का भुगतान करेगा तो वह बैंक असफल होगा ही। कुछ ऐसी स्थितियां सिलिकॉन वैली बैंक के साथ हुई। बढ़ती महंगाई रोकने को फेडरल बैंक ने बीते कई महीनों से ब्याज दरों को बढ़ाना शुरू कर दिया था। ब्याज दरों में निरंतर वृद्धि का दोहरा प्रभाव हुआ।

पहला, निवेशकों विशेष रूप से स्टार्टअप्स का व्यवसाय के प्रति आकर्षण कम होने लगा। पिछले 12 से 15 महीनों में आसमान छूती महंगाई दरों के बीच स्टार्टअप्स की तेजी में गिरावट होने लगी। जिसका प्रभाव सिलिकॉन वैली बैंक के व्यवसाय पर भी पड़ने लगा। ऋण वापसी की दर बहुत कम हो गई। दूसरी ओर, कोरोना उपरांत परिस्थितियों में अपने को बाजार में बनाए रखने के लिए स्टार्टअप्स कंपनियों ने बैंक से अपनी जमा पूंजी निकालनी शुरू कर दी। पैसा लौटाने को सिलिकॉन वैली बैंक को अपने बांड बेचने पड़े। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार बैंक के 91 अरब डॉलर के बांड्स की कीमतों में करीब 15 अरब डॉलर की गिरावट आ गई। जब बैंक अपनी सबसे सुरक्षित संपत्ति नुकसान में बेचता है, तो इसका अर्थ है कि वह नगदी संकट का सामना कर रहा है। जिसका दुष्परिणाम सिलिकॉन वैली बैंक दिवालिया होने के रूप में सामने है। अमेरिका के 16वें सबसे बड़े सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने का असर 92 से अधिक उन भारतीय स्टार्टअप्स पर भी होगा, जिनका खाता इस बैंक में है। इस बैंक का एक ऑफिस बंगलौर में भी है जो स्टार्टअप्स व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अपने यहां खाता खोलने को प्रेरित करता था। यह बैंक अपनी लचीली कार्यप्रणाली के चलते दुनियाभर के स्टार्टअप्स के लिए सबसे पसंदीदा विकल्पों में से एक है। यही कारण है कि सिलिकॉन वैली में हर तीसरा स्टार्ट-अप भारतीय अमेरिकियों का रहा है। भारत में बढ़ने वाले यूनीकार्न की संख्या में इस बैंक का भी बड़ा योगदान रहा है। अनुमान के अनुसार पिछले अक्टूबर में भारतीय स्टार्टअप्स ने 150 मिलियन डॉलर पूंजी जुटाई थी। मौजूदा परिस्थितियों ने ब्ल्यूस्टोन, नापतोल, कार वाले, शादी, इनमोबी, लॉयल्टी रिवार्ड्ज आदि स्टार्टअप्स के मन में अनिश्चितता भाव बढ़ा दिया। सिलिकॉन वैली बैंक के असफल होने से भारत के स्टार्टअप्स का वर्तमान और भविष्य भी मुश्किल में है। सरकार इन स्टार्टअप्स को बचाने को इनके साथ

खड़ी है, जिससे भविष्य में हालात के बिगड़ने पर स्थिति को संभाला जा सके। सूचना और प्रौद्योगिकी केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्र शेखर ने ट्वीट में कहा कि स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था का जरूरी हिस्सा हैं।

उनसे जानने का प्रयास किया जाएगा कि सरकार उनकी मदद कैसे कर सकती है। वहीं भारत सरकार और आरबीआई को मंथन करना होगा कि आखिर भारतीय स्टार्टअप्स देश के बाहर के बैंकों की तरफ रुख क्यों करते हैं? क्या इनको अपनी बैंकिंग व्यवस्था से नहीं जो? सकते हैं? भारत की दृढ बैंकिंग व्यवस्था एवं आरबीआई द्वारा विनियमित होने के कारण सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने का भारतीय बैंकों पर कोई गहरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत में एनपीए स्तर नियंत्रण में है। महंगाई नियंत्रित करने के लिए आज आरबीआई की लचीली मौद्रिक नीति की प्रशंसा की जा रही है।

हिंदी का वैश्विक आकाशदीप हो गया विलुप्त

नरेश कौशल

डॉ. वेद प्रताप वैदिक एक ऐसा ब्रांड नेम बन गया था जो हिंदी के कई अखबारों में हर रोज सुर्ख़ियां बटोर रहा था। उनकी अनुपस्थिति से अखबारों के उन कालमों की भरपाई नि:संदेह अन्य आलेखों से हो जाएगी मगर उनके अचानक देहावसान से पत्रकारिता और हिंदी जगत में जो रिक्तता पैदा हुई है उसकी भरपाई हो पाना आज तो नामुमकिन ही लगता है। हां, उनके अनेक उन पाठकों को भी वैदिक जी के कालम की कमी खटकेगी जिन्हें उनके चिंतन, उनकी शैली का स्वाद (ठेठ भाषा में कहें तो चस्का) पड़ चुका है। उम्र के आठवें दशक में भी युवा पत्रकार की माफकि सक्रिय रहने वाले स्तंभकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक को हिंदी के लिये सड़क से लेकर संसद तक अभियान चलवाने व सफलता पाने के मानकों के तौर पर देखा जाता है। यह उनके ऋषि कर्म, उनकी गहन साधना का प्रताप ही था कि इस आयु में भी वह किसी बड़ी बीमारी से दूर थे।

प्रतिदिन किसी नये मुद्दे पर गहरी समझ रखना, विदेशी मामलों पर त्वरित टिप्पणी करना उनकी दक्षता का अजूबा ही कहा जाएगा। दुनिया के अस्सी से ज्यादा देशों की यात्रा करने तथा अमेरिका, रूस व अफगानिस्तान में शोध करने वाले वैदिक के जेहन में वैश्विक मसलों के प्रमाणिक तथ्य कूट-कूट कर भरे थे। वैदिक जी की पत्रकारिता-यात्रा जीवन भर अध्ययन व संघर्ष में ही गुजरी। इंदौर में जन्मे और फिर दिल्ली को अपनी कर्मस्थली बनाने वाले वैदिक ने एक प्रुफ रीडर के रूप में अपनी पत्रकारिता की पारी शुरू की। वास्तव में वैदिक जी ने हिंदी पत्रकारिता को स्वाभिमान देकर उसे समृद्ध ही किया। बेहद मुश्किलों के बीच जीवन की शुरुआत करने के बाद वैदिक उस ऊंचाई तक पहुंचे जहां शायद ही कोई दूसरा पहुंच पाये। जब वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पीएचडी कर रहे थे तो विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों में थीसिस हिंदी में लेने से मना कर दिया। उनसे कहा गया कि शोध प्रबंध अंग्रेजी में जमा करायें। वैदिक पीछे हटने को तैयार न थे। जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज डिपार्टमेंट ने उनकी स्कॉलरशिप रोक दी। फिर उनका संघर्ष शुरू हुआ और मामले की गूंज संसद के गलियारों तक पहुंची।

तमाम राजनेता खासकर समाजवादी नेता उनके पक्ष में खड़े हुए। तब डॉ. राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, आचार्य कृपलानी, अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर आदि नेताओं ने वेद प्रताप वैदिक के समर्थन में जोरदार ढंग से आवाज उठायी। वर्ष 1967-68 में संसद में खूब हंगामा हुआ। बाद में सरकार के हस्तक्षेप के बाद विश्वविद्यालय के नियमों में बदलाव हुआ। सही मायनों में वे देश में हिंदी आंदोलन का चेहरा बनकर उभरे। बताते चलें कि उन्होंने सिर्फ तेरह साल की उम्र में भी हिंदी के लिये सत्याग्रह किया था और जेल भी गये। डॉ. वैदिक ने पिछले पांच दशक में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिये कई आंदोलन चलाये। उन्होंने एक छोटी पत्रिका के जरिये भी हिंदी के स्वाभिमान की मुहिम चलायी। वे लोगों को समझाने में कामयाब हुए कि अपनी भाषा में किया गया काम बेहतर हो सकता है। अपनी किताब के जरिये तर्कों के साथ उन्होंने आम लोगों को यह बात समझाने का काम किया। उनका मानना था कि यदि पढ़ाई व नौकरी हिंदी में मिल रही होती तो देश में आरक्षण की जरूरत ही न रहती। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार के नाते उन्हें सम्मान के नजरिये से देखा जाता रहा है।

यह बात दीगर है कि सभी राजनीतिक दलों से संबंध रखने तथा बेबाक तेवरों की वजह से लगभग सभी सरकारों ने उन्हें महत्वपूर्ण पद देने से परहेज किया। हालांकि, उनसे मिलने वाले मुख्यमंत्रियों व नेताओं की लाइन लगी होती थी। पी.वी. नरसिम्हाराव सरकार में उनकी गहरी पहुंच थी, मगर उन्होंने कोई अनुचित लाभ नहीं उठाया। वैसे वैदिक को लेकर कुछ विवाद भी सामने आये। साल 2014 में जब वैदिक पाकिस्तान गये तो वे मुंबई हमलों के मास्टर माइंड तथा लश्कर-ए-तैयबा के सर्वेसर्वा हाफिज सईद का इंटरव्यू लेने भी पहुंचे। जिस पर भारत में बवाल भी मचा। उनके खिलाफ मुहिम भी चली और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। हालांकि, बाद में उन्होंने स्पष्ट भी किया कि उनकी यह मुलाकात अचानक हुई, पहले से इसकी कोई योजना नहीं थी। वे कहते रहे कि वे सईद को भारत की जनता के विचारों से अवगत कराना चाहते थे। उन्हें हिंदी व पत्रकारिता के लिये कई सम्मान भी मिले। हिंदी को मौलिक चिंतन की भाषा बनाने के लिये उन्हें देश में याद किया जाता रहेगा। वैसे वे हिंदी के अलावा फारसी, जर्मन, संस्कृत व रूसी भाषा के भी जानकार थे। शुरू में वे नरेंद्र मोदी के प्रशंसक भी थे लेकिन फिर उनका मोहभंग हो गया। सच्चाई तो यह है कि विदेश मामलों में उनके अनुभव का देश ने धरातल पर कोई ज्यादा लाभ नहीं उठाया। अफगानिस्तान व पाकिस्तान समेत दक्षिण एशिया के मामलों में उन्होंने जिस दक्षता से लिखा, वैसा किसी दूसरे के लिये शायद ही संभव हो।

बहरहाल, जिन हालात में वैदिक जी का देहावसान हुआ, वह निश्चय ही दुखद है। हालांकि वह कुछ समय पहले पत्नी के निधन के बाद अकेलापन महसूस कर रहे थे मगर इसके बावजूद वह अपने ऋषि कर्म पर अडिग बने रहे। देश के सैकड़ों पत्रकारों के साथ वे दोस्ताना व्यवहार करते थे। विचारों की गंभीरता को उन्होंने अपने व्यवहार में हावी नहीं होने दिया। जीवन के अंतिम दौर में वह दक्षिण एशिया के देशों की जनता व भारत के लोगों के बीच संवाद के नये मौके तलाश रहे थे। इसके लिये उन्होंने जनदक्षेस मुहिम की शुरुआत भी की। एक बात तो साफ थी कि वे समाजवादियों व दक्षिणपंथियों में बराबर लोकप्रिय रहे। किसी व्यक्ति या दल से मतभेद के बाद भी संबंधों को सहज व सरल बनाने का गुण था उनमें। बहरहाल, हिंदी पत्रकारिता के क्षितिज पर एक बेबाक, निर्भीक, निष्पक्ष पत्रकार के रूप में उनकी छवि दैदिप्यमान रहेगी। ऐसी महान शख्सियत को हमारा विनम्र नमन!

दही या ठंडा दूध

गर्मियों में रोजाना दही का सेवन करना शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है। दही में भरपूर फाइबर होता है, जो पेट की सेहत और डाइजेशन को बेहतर बनाता है। एसिडिटी और बदहजमी की समस्या भी दही के सेवन से दूर हो जाती है। वहीं ठंडा दूध पीने से पेट को ठंडक मिलती है। इससे जलन, एसिडिटी की परेशानी नहीं होती। ठंड दूध का मतलब सादा दूध पीए, न की फिज में रखा दूध पीएं।

केला

गर्मी बढ़ने पर रोजाना एक पका हुआ केला जरूर खाना चाहिए। केले का सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है। केले में आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम और फाइबर के गुण होते हैं। फाइबर पाचन संबंधी समस्या को दूर करता है, तो वहीं पोटेशियम एसिडिटी को नियंत्रित करता है।

खरबूजा

खरबूजा गर्मियों का मौसमी फल है। खरबूजे का सेवन पेट के लिए फायदेमंद होता है। खरबूजे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर एसिड रिफ्लक्स के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में कई तरह के आवश्यक तत्वों की पूर्ति होती है। वहीं गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी को भी खरबूजा दूर करता है। गैस और एसिडिटी की समस्याओं से भी निजात मिलता है।

बढ़ते तापमान के साथ करें इनका सेवन

पेट की समस्याएं रहेंगी दूर

गर्मियों का मौसम आते ही कई तरह की शारीरिक समस्याएं बढ़ने लगती हैं। गर्मियों में तापमान बढ़ने पर शरीर में पानी की मात्रा कम होने लगती है। थोड़ी सी लापरवाही के कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त, चक्कर आना और कमजोरी आदि होने लगती हैं। वहीं गर्मियों में मसालेदार या तला भुना खाने से शरीर का पाचन तंत्र भी बिगड़ने लगता है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है, जिससे बैक्टीरिया या वायरस का खतरा बढ़ जाता है। इन कारणों से भी गर्मी में लोगों को पेट दर्द, गैस, पेट में संक्रमण, एसिडिटी, लूज मोशन और उल्टी जैसी पाचन से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। अधिकतर लोगों को गर्मी में एसिडिटी और गैस की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ गर्मी के दिनों में भरपूर पानी के सेवन की सलाह देते हैं, ताकि पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकाल सके। डिहाइड्रेशन की समस्या भी न हो। हालांकि पानी के अलावा भी गर्मी में कुछ चीजों का सेवन लाभकारी है। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी दूर होती है, साथ ही शरीर को ठंडक मिलती है। अगली स्लाइड्स में जानिए गर्मियों में किन चीजों के सेवन से पेट की समस्या से बचाव होता है।

खीरा-पपीता

ताजे फलों का सेवन हर मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि गर्मियों में तापमान बढ़ने पर खीरा और पपीता खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और पानी की कमी पूरी होती है। पपीता और खीरा में भरपूर फाइबर पाया जाता है। इनके सेवन से पेट को ठंडक मिलती है। ये पित्त को बैलेंस करके शरीर का पीएच भी स्वस्थ रखते हैं। अगर गर्मियों में आप गैस या एसिडिटी की समस्या होती है तो भी खीरे और पपीते का सेवन लाभदायक होता है।

नारियल पानी

शरीर के लिए नारियल पानी बहुत फायदेमंद है। नारियल पानी में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिशन पाया जाता है, जो शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। इसके सेवन से पारा अधिक बढ़ने पर शरीर को अंदरूनी ठंडक भी मिलती है। नारियल पानी में बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने के भी गुण होते हैं। इसमें फाइबर का गुण भी होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है।

हंसना मना है

बाबा - दीदी एक रोटी दे दो, सुबह से भूखा हूं...! अंदर से आवाज आई - दीदी तेरी बैंक गई है, आज तो जीजा भी भूखा है...!!!

एक बनिये ने शेख को खून देकर उसकी जान बचाई... शेख ने खुश होकर उसे मर्सिडिज कार गिफ्ट की...! शेख को फिर खून की जरूरत पड़ी, बनिये ने फिर खून दिया। अबकी बार शेख ने सिर्फ लड्डू दिए...! बनिया (गुस्से से) - इस बार सिर्फ लड्डू...? शेख - बिरादर, अब हमारे अंदर भी बनिया का खून दौड़ रहा है...!

पत्नी की तबीयत कुछ खराब रहती थी, तो उसने पेंटर से अपनी एक तस्वीर बनवाई, फिर कुछ सोच कर पेंटर को कहा कि गले में नौलखा हार भी बना दो...! पेंटिंग बनने के बाद पेंटर ने पूछा-आपने ऐसा क्यों किया... पत्नी बोली-कभी मैं मर गयी तो मेरे पति दूसरी शादी कर लेंगे, नई वाली आएगी तो वो हार ढूंढेगी और मिलेगा नहीं तो झगड़ा होगा... तब मेरी आत्मा को सच्चा सुकून मिलेगा... इसे कहते हैं, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी...!!

एक बाबा औरतों पर ज्ञान दे रहे थे... औरतों के पास यदि अलादीन का चिराग होता तो... जिन्न या तो मेथी छांट रहा होता या फिर मटर छिल रहा होता...!!!

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

कहानी से सीखः हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी की चिकनी चुपड़ी बातों पर विश्वास करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – आज का दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में बड़ी सफलताएं मिलने के योग बन रहे हैं। जल्दबाजी या ज्यादा उत्साह के कारण कोई गलतफहमी हो सकती है।

वृषभ – आपके लिए आज का दिन भाग्य की बेहतरी वाला साबित होगा। अपने निजी प्रयासों से आपको सफलता मिलेगी। भाग्य चमकेगा और घूमने जाने का मौका मिलेगा।

मिथुन – आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा।

कर्क – व्यापारिक दृष्टिकोण से आज आपको भारी धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय और आनंददायक रहेगा। प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है।

सिंह – आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पीड़ित रहेगा और कामों में विलंब होगा। आपकी मेहनत को रंग लाने में समय लगेगा।

कन्या – आज आपका ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

तुला – आपके लिए दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं। आपको उधार को कम करना चाहिए और सट्टा निवेश से भी बचना चाहिए।

वृश्चिक – आज का दिन आपका अच्छा रहेगा। किसी यात्रा पर जाने में बेहतर रहेगा कोई छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है जो आपको मानसिक तौर पर खुशी भी देगी।

धनु – आज परिवारवालों के साथ हंसी खुशी के पल बितायेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मकर – रिश्तेदारों से एक बड़ा उपहार प्राप्त कर सकते हैं। चोट या कोई छोटी-मोटी दुर्घटना होने के भी योग बन रहे हैं। कार्य करने में मन में बहुत ऊर्जा महसूस करेंगे।

कुम्भ – आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा हालांकि कई मोर्चों पर आपको ध्यान देने की आवश्यकता होगी जिनमें से एक आपका स्वास्थ्य है और दूसरा आपका धन।

मीन – आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल होंगे।

बॉलीवुड के लोगों को तापसी पन्नू ने बताया 'कंजूस'

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड में अक्सर कोई न कोई पार्टी और सेलिब्रेशन होता रहता है, जिसमें तमाम कलाकार शिरकत करते हुए नजर आते हैं। इन पार्टीज को लेकर तापसी पन्नू ने हाल ही में बात की है। उन्होंने इस ग्रैंड पार्टी के पीछे की सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की पार्टीज में सभी कलाकार खाली हाथ ही पहुंचते हैं। दरअसल, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने बॉलीवुड पार्टीज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में पार्टीज चाहें कितनी भी ग्रैंड क्यों न हो वहां पर सभी लोग खाली हाथ ही पहुंचते हैं, कोई भी वहां गिफ्ट लेकर नहीं आता है, फिर चाहें किसी का बर्थडे हो या फिर किसी और चीज का सेलिब्रेशन हो। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री के लोग आम लोगों से काफी अलग होते हैं। उन्होंने कहा कि उनके तरीके काफी अलग होते हैं। किसी भी कलाकार के बर्थडे पर या फिर दीवाली के मौके पर अगर उनके घर जाते हैं तो किसी के घर गिफ्ट लेकर नहीं जाते हैं।

शाहरुख खान के बर्थडे गिफ्ट पर तापसी ने की बात

एक्ट्रेस से इंटरव्यू के दौरान शाहरुख की बर्थडे पार्टी को लेकर भी सवाल किया गया, कि क्या वह उनके लिए गिफ्ट लेकर जाती हैं। जिसपर एक्ट्रेस ने कहा कि हां वह उनकी बर्थडे पार्टी में जाती हैं और गिफ्ट के लिए एक्ट्रेस ने कहा कि कोई क्या ही देगा? शाहरुख खान को कोई क्या ही दे सकता है? उन्होंने आगे कहा कि शाहरुख को लोग क्या ही दे सकते हैं, जब उनके पास सबकुछ है।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टिंग ही नहीं पढ़ाई में भी अव्वल थीं जिनिलिया

जिनिलिया डिसूजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं। फैंस के साथ वो अपने मजेदार रील्स शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने कॉलेज का वीडियो साझा किया है। जिनिलिया डिसूजा को हाल ही में अपने कॉलेज जाने का मौका मिला। कॉलेज पहुंचते ही एक्ट्रेस की हजारों यादें ताजा हो गई, जिसे उन्होंने फैंस के साथ भी शेयर किया है। मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से पढ़ी जिनिलिया डिसूजा को उनकी भांजी नितारा की वजह से एक बार फिर अपने कॉलेज जाने का मौका मिला। एक्ट्रेस भांजी का कॉन्सर्ट अटेंड करने पहुंची थीं, जिसका इवेंट उनके कॉलेज में रखा गया था। जिनिलिया डिसूजा ने सेंट एंड्रयूज कॉलेज से अपनी यादों का झरोखा शेयर करते हुए कॉलेज का एक चक्कर लगाया। एक्ट्रेस ने कॉलेज की एंट्री से लेकर प्ले ग्राउंड और ऑडिटोरियम तक, कई अलग-अलग जगह दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें जिनिलिया ट्रॉफी लिए कई सारे सर्टिफिकेट्स के साथ नजर आ रही हैं, जिसे देखकर लग रहा है कि एक्ट्रेस एक्टिंग के साथ-साथ पढ़ाई में भी अव्वल थीं। जिनिलिया डिसूजा ने पोस्ट के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा और कहा, मेरी 2 साल की भांजी नितारा ने मुझे अपने स्कूल कॉन्सर्ट में बुलाया और ये मेरे कॉलेज सेंट एंड्रयूज कॉलेज के ऑडिटोरियम में हो रहा है। ये वो चीज है, जिसे मैं सबसे खास कहती हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, वही एंट्रेंस, कॉलेज की वही पुरानी सीढ़ियां, बास्केट बॉल कोर्ट जहां हमने कई सारे कॉलेज टेस्ट और सोशल इवेंट अटेंड किए। और वो पुराना सबसे अच्छा ऑडोटोरियम। और हां मेरी प्यारी बेटी आज यहां परफॉर्म कर रही है जहां सालों पहले मैंने किया था। इन सब चीजों ने पुराने दिन याद दिला दिए। कॉलेज की यादें सब कुछ होती हैं।

अर्शी की खुल गई पोल! लिप के बाद कराई हिप सर्जरी

बिग बॉस 11 की कंटेस्टेंट रहीं अर्शी खान का विवादों से पुराना और गहरा नाता रहा है। अर्शी पेशे से एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। बीते दिनों अर्शी को होली पार्टी में धूम मचाते देखा गया था। वहीं अब अर्शी खान की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। अफवाह है कि मॉडल ने खुद को और ज्यादा बेहतर दिखाने के लिए हिप सर्जरी का सहारा लिया है।

अर्शी खान के हिप्स कुछ दिनों पहले अजीब और असामान्य नजर आ रहे थे। वहीं, इसे लेकर खबरें हैं कि अर्शी ने अपनी हिप सर्जरी दुबई में कराई है। अभिनेत्री से जुड़े एक करीबी सूत्र ने एक लीडिंग टेबलॉयड को बताया, अर्शी ने दुबई में हिप की सर्जरी कराई। हाल ही में वो यात्रा पर थीं और उसी दौरान उन्होंने सर्जरी कराने का ऑप्शन चुना। वह इस बारे में कुछ नहीं बोलतीं लेकिन इस बार उन्होंने अपने खास दोस्तों को इसकी जानकारी दी है। अर्शी खान हमेशा से कॉस्मेटिक सर्जरी के फेवर में रही हैं। एक दफा एक मीडिया संस्थान को इंटरव्यू देते वक्त अर्शी ने कहा था, अच्छा दिखने के लिए सर्जरी करवाना एक व्यक्तिगत पसंद है लेकिन आज भी हमारे समाज में लोग इसे अपराध समझते हैं और इसका मजाक उड़ाते हैं। मुझे लगता है कि मेट्रो शहरों में 50 प्रतिशत लोग इसके लिए जाते हैं। यह बुरा नहीं है। यह एक श्रेय है कि हम बेहतर तकनीकों का आनंद ले रहे हैं। मैंने लिप फिलर्स करवाए हैं और मुझे इसमें बहुत मजा आ रहा है।

गौरतलब हो कि अर्शी खान का विवादों से गहरा नाता रहा है। अक्टूबर 2016 में पुणे मिरर में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे सिटी पुलिस ने एक सेक्स रैकेट में अर्शी को हिरासत में लिया था। अर्शी के अलावा विपुल दहल नामक एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, अर्शी गोवा के भी एक सेक्स रैकेट में भी फंसी थीं। गोवा पुलिस ने एक होटल से अर्शी को गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी ने पुलिसवालों को काफी समझाया था कि वह इससे जुड़ी नहीं हैं और इसके बाद वह मुंबई आ गई थीं।

ये है भारत का सबसे बड़ा चोर, 30 साल में लूट लिए देशभर में 30 बैंक

आज के समय में चोरी की घटनाएं आम बात हो गई हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद भी चोरी की वारदातों पर पूरी तरह से लगाम नहीं लग पाती। ऐसे में आज हम आपको भारत के एक ऐसे चोर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे देश का सबसे बड़ा चोर कहा जाता है। क्योंकि इस चोर ने 30 साल में देशभर की 30 बैंकों में चोरी की। दरअसल, हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के सबसे शातिर चोर सुरेश देशमुख की। जिसे चोरों का बाप कहा जाता है। बता दें कि सुरेश देशमुख महाराष्ट्र के अमरावती का रहने वाला है। उसने साल 1991 में दो लोगों की गैंग बनाकर चोरी की पहली घटना को अंजाम दिया था। उसकी गैंग के दो अन्य सदस्य तुषार और हरीप्रसाद थे। सुरेश की गैंग ग्रामीण सहकारी बैंकों को अपना निशाना बनाती थी। क्योंकि सहकारी बैंकों की सुरक्षा कम होती थी। जिसके चलते सुरेश और उसकी गैंग को लाभ मिलता था। कहा जाता है कि सुरेश की गैंग अपने पास किसी भी प्रकार का हथियार नहीं रखता था। बैंक लूटने के बाद ये गैंग उस राज्य से दूसरे राज्य में चला जाता था। ये सिलसिला पूरे तीन दशक तक चलता रहा। इस गैंग की सबसे बड़ी खासियत ये थी कि जब तक बैंक को लूटने के बाद इनके पास पैसे रहते तब तक ये गैंग किसी दूसरे बैंक को नहीं लूटता था। पुलिस ने सुरेश के खिलाफ देशभर के कई थानों में मामले दर्ज किए। सुरेश इतनी सावधानी से बैंक में लूट करता था कि पुलिस उस तक पहुंच नहीं पाती थी। हालांकि पुलिस को एक बार सुरेश का सुराग मिल गया। पुलिस उसे दबोचने ही वाली थी, लेकिन सुरेश ने अपने चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी करा ली थी। यह बात साल 2011 की है। प्लास्टिक सर्जरी के बाद सुरेश नए चेहरे के साथ लूट की वारदात को अंजाम देने लगा। सुरेश ने अपने नए चेहरे के साथ कई बैंकों में लूट की। सुरेश इतनी बैंक में लूट की वारदातों को अंजाम दे चुका था कि उसके खिलाफ यूपी, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कई मामले दर्ज हो चुके थे, लेकिन इसी साल सुरेश ने यूपी के लखीमपुर खीरी में एक जिला सहकारी बैंक से 32 लाख रूपए की लूट की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की तो सुरेश देशमुख पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने सुरेश और उसकी गैंग से 5 लाख रूपये, गैस कटर और एक रिवाल्वर बरामद किए। जांच में पुलिस को सुरेश के पास से एक चोरी की कार भी मिली। जब पुलिस ने सुरेश को रिमांड पर लिया तो उसने एक के बाद एक कई राज खोले।

अजब-गजब | इस राजा ने अपने सैनिकों को दिलवाई थी नाचने-गाने की ट्रेनिंग

इसे कहा जाता था दुनिया का सबसे सनकी बादशाह

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम-जोंग-उन के बारे में तो आप जानते ही होंगे कि वह कितना सनकी है। जो जरा सी गलती करने अपने बेहद करीबियों को ही मौत का घाट उतरवा देता है। लेकिन आज हम आपको उससे भी ज्यादा सनकी एक ऐसे बादशाह के बारे में बताने जा रहे हैं जो सनकी होने के साथ ही बेहद क्रूर भी था। उसने क्रूरता की सभी हदें पार कर दी थीं। यही नहीं इसने अपनी सनक से भी हर किसी को हैरान कर दिया था। ये तानाशाह को अपनी सेना में लंबे सैनिकों को रखने का शौक था। साथ ही वो उन्हें मोटी तनख्वाह भी देता था। लेकिन इस वेतन के लिए सैनिकों को खासी बेइज्जती सहनी पड़ती थी।

दरअसल, ये कहानी उस समय की है, जब प्रशा एक राज्य हुआ करता था। हालांकि, साल 1932 में इसका जर्मनी में विलय हो गया। यहीं का राजा था फेडरिक विलियम प्रथम, जिसने साल 1713 से लेकर 1740 तक प्रशा पर राज किया। वैसे तो फेडरिक विलियम प्रथम शांत और दयावान स्वभाव का राजा था, लेकिन उसे अपने सेना में लंबे कद के सैनिकों को रखने का काफी शौक था। ऐसा कहा जाता है कि उसके राजा बनने से पहले प्रशा की सेना में करीब 38 हजार सैनिक होते थे, जिसे बढ़ाकर उसने करीब 83 हजार कर दिया।

इसके अलावा राजा फ्रेडरिक को लंबे सैनिकों से काफी लगाव था। उसके राज्य में लंबे सैनिकों की एक अलग रेजिमेंट बनाई थी। जिसे पॉट्सडैम जाएंट्स कहते हैं। इस रेजिमेंट में सारे सैनिक छह फीट से ज्यादा लंबे थे। राजा फ्रेडरिक की सेना में जो लंबा सैनिक था, उसका नाम जेम्स किर्कलैंड था। बताया जाता है कि जेम्स किर्कलैंड की लंबाई सात फीट एक इंच थी।

सबसे हैरान करने वाली बात तो थी कि इन लंबे सैनिकों को किसी युद्ध के लिए तैयार नहीं किया जाता था, बल्कि वे सिर्फ दिखावे के लिए सेना में रखे जाते थे। कभी-कभी राजा इन सैनिकों से मनोरंजन का काम भी करवाता था। उदास होने पर फेडरिक विलियम प्रथम इन सैनिकों को महल में बुलवाता और फिर उन्हें नाचने को कहता। इसके अलावा इतना वो कभी-कभी महल में ही इन सैनिकों से मार्च करवाया करता था। 31 मई 1740 को 51 साल की उम्र में राजा फ्रेडरिक की मौत हो गई। कहते हैं कि उस समय उसके पॉट्सडैम जाएंट्स रेजिमेंट में लंबे सैनिकों की संख्या तीन हजार के आसपास थी। राजा फ्रेडरिक की मौत के बाद भी कई सालों तक यह रेजिमेंट सक्रिय रहा, लेकिन 1806 में राजा फ्रेडरिक के बेटे फ्रेडरिक ग्रेट ने उस रेजिमेंट को ही भंग कर दिया। उसके बाद सभी सैनिक आम सैनिकों में शामिल हो गए।

कहते हैं कि उस समय उसके पॉट्सडैम जाएंट्स रेजिमेंट में लंबे सैनिकों की संख्या तीन हजार के आसपास थी। राजा फ्रेडरिक की मौत के बाद भी कई सालों तक यह रेजिमेंट सक्रिय रहा, लेकिन 1806 में राजा फ्रेडरिक के बेटे फ्रेडरिक ग्रेट ने उस रेजिमेंट को ही भंग कर दिया। उसके बाद सभी सैनिक आम सैनिकों में शामिल हो गए।

आरक्षण विरोधी है भाजपा, नहीं करती मजबूत पैरवी : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा आरक्षण विरोधी है। उन्होंने कहा कि 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में 6800 अभ्यर्थियों की चयन सूची खारिज किए जाने पर कहा कि यह आरक्षण की मूल भावना की विरोधी भाजपा सरकार की ढीली पैरवी का नतीजा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दलित-पिछड़ों का हक मारने के लिए आरक्षण को विधायी माया जाल में फंसाती है। कहा कि जातीय जनगणना ही इस समस्या का सही समाधान है जिससे कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण हो सके।

69000 सहायक शिक्षक भर्ती में आया फ़ैसला, आरक्षण की मूल भावना की विरोधी भाजपा सरकार की ढीली पैरवी का नतीजा है। भाजपा दलित-पिछड़ों का हक़ मारने के लिए आरक्षण को विधायी माया जाल में फँसाती है। जातीय जनगणना ही इस समस्या का सही समाधान है जिससे कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण हो सके। गौरतलब हो कि लखनऊ हाईकोर्ट ने सोमवार को सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण कोटे का सही से अनुपालन ना किए जाने पर 1 जून 2020 को जारी सहायक अध्यापक के चयन से जुड़ी सूची को तीन माह में संशोधित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इसके साथ ही भर्ती परीक्षा के क्रम में आरक्षित वर्ग के अतिरिक्त 6800 अभ्यर्थियों की 5 जनवरी 2022 को जारी हुई चयन सूची को भी खारिज कर दिया। इस चयन सूची को यह कहते हुए चुनौती दी गई थी कि इसे बिना किसी विज्ञापन के जारी किया गया था। बताया जा रहा है कि सरकार पहले चयन सूची का पुनरीक्षण करेगी।

» 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में बोले-जातीय जनगणना ही इस समस्या का है सही समाधान

पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ होगा झारखंड में नगर निकाय चुनाव : सोरेन

रांची। झारखंड में अब ओबीसी आरक्षण तय होने के बाद ही निकाय चुनाव होंगे। इसके लिए ट्रिपल टेस्ट कराया जाएगा। राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इससे संबंधित फैसला लिया गया। बैठक में जिला स्तरीय पदों पर सीधी नियुक्ति में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया गया।

प्रधानमंत्री जी! इधर भी ध्यान दीजिए

मां ने अंतिम संस्कार के लिए मांगा पैसा नहीं मिली मदद तो शव को गंगा में बहाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। एक मां अपने जवान बेटे की अंतिम संस्कार पैसे ने होने के कारण न कर सकी और मजबूर होकर उसे शव को गंगा में प्रवाहित करना पड़ा।

दुखी मां ने बताया कि उसके पास फूटी कौड़ी भी नहीं थी, उसका अंतिम संस्कार कैसे करती। कुछ लोगों के आगे हाथ-पांव जोड़े कि दो-चार सौ रुपए दे दो, किसी ने साथ नहीं दिया। आखिर लाश घर पर कब तक रखती। अगले दिन बेटे को गंगा में बहा दी। इतना कहते-कहते 55 साल की सुशीला जोर-जोर से रोने लगती हैं। कहती हैं- 'अरे बबुआ रे बबुआ, हमनी के छोड़ के कहां गईल रे बबुआ' (बेटा हम लोगों को छोड़कर तुम कहां चले गए)।' बनारस से सटे सेवापुरी विधानसभा के बिहड़ा गांव की रहने वाली सुशीला का बेटा गुड्डु (25) सूरत में मजदूरी करता था। होली के दिन डंफर ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सुशीला मुसहर कम्युनिटी से हैं।

ये वो कम्युनिटी है, जो सालों से अपनी जाति मुसहर (चूहे मारकर खाने वाली कम्युनिटी) का दंश झेल रही है। लोग इनका छुआ खाना नहीं खाते, पानी नहीं पीते। दबंग इनकी लड़कियों और महिलाओं के साथ बदतमीजी करते हैं। बड़े जाति के टीचर्स इनके बच्चों को स्कूल से भगा देते हैं। पूरे इलाके में इनकी कम्युनिटी का एक ही शख्स 10वीं तक पढ़ पाया है।

आरोपी भाजपा नेता के घर पर चले बुलडोजर : पीड़ित पिता

» यौन शोषण से आजिज आकर नाबालिग छात्रा ने की थी आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा में 14 साल की नाबालिग छात्रा के साथ उसकी सहेली के पिता ने शारीरिक शोषण किया और वो उसे प्रताड़ित करता रहा इससे आहत होकर छात्रा ने सुसाइड कर लिया था। पुलिस आरोपी को जेल भेज चुकी है। आरोपी के भाजपा नेताओं से कनेक्शन को लेकर सपा ने भी मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है।

आरोपी पर बुलडोजर चलवाने की मांग की है। उधर मृतक छात्रा के परिवारीजनों ने कहा कि जैसे हमारी बेटी तड़प-तड़प कर मरी है, वैसे ही आरोपी भी तड़पे। उसके घर पर बुलडोजर चले। उसे फांसी की सजा दी जाए, जिससे वो भी तड़पे। ऐसी कार्रवाई हो कि कोई अपराधी किसी बच्ची के साथ ऐसी घिनौनी हरकत न कर सके।

आगरा शहर से करीब 30 किमी दूर खंदौली थाना क्षेत्र में जलेसर रोड पर मृतका का गांव है। सड़क किनारे गए गली में घुसते ही घर है। जब मीडिया की टीम वहां पहुंची तो छात्रा की मां बेटी को याद कर रो रही थीं। उनकी आंखों के आंसू सूख चुके थे। गांव की महिलाएं उन्हें हिम्मत रखने का दिलासा दे रही थीं। मां का कहना था कि बेटी के जाने से घर की रौनक चली गई। अब तो बस बेटी को न्याय मिलना चाहिए।

रंगोत्सव कार्यक्रम में जमकर झूमे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समग्र योग केंद्र में रंगोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। रविवार को केंद्र के संपादक और निदेशक योगरचार्य डॉ. अवधेश कुमार शर्मा और उनकी टीम के मार्गदर्शन से बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें समग्र योग परिवार के सभी सदस्यों की भागीदारी दिखाई दी जिसमें संगीत भवन के बाल समूह ने श्रीमती निवेदिता भट्टाचार्य के निर्देशानुसार रंगा रंग सांस्कृतिक नृत्यकला प्रस्तुत की ।

रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य ने मन मोहा

सेंटर के सदस्यों में से संजना महाजन, गुंजन जैन, मीनाक्षी पाई , उपासना, दीपक और ज्ञान दुबे द्वारा गीत, भजन की मनमोहक प्रस्तुति पेश की गई। जिज्ञासा कापड़ी द्वारा सुंदर ऊर्जात्मक उत्तराखंड की सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति दी गई, अमित सिंह द्वारा होली के महत्व का सुंदर विवरण सुनने को मिला, विनीता मिश्रा और हर्षित दुबे द्वारा अवधी भाषा में मनोरंजक काव्य प्रस्तुति दी गई। अन्य प्रस्तुतियों और कलाओं द्वारा लोगों का मनोरंजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुलाल, चंदन और फूलों की होली के साथ गुझिया, ठंडाई, चाट और कई प्रकार के व्यंजनों का भी सभी ने खूब आनंद लिया।

वर्ल्ड कप से पहले मझेगी टीम इंडिया, हावी रहे कंगारू

आस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज कल से, तीन साल में 143 वनडे, 80 ऑस्ट्रेलिया जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज कल से शुरू होगी। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह साल वर्ल्ड कप का है और भारत में ही यह टूर्नामेंट होना है। ऐसे में यह सीरीज तैयारियां परखने का मौका है। पहला मुकाबला कल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

दोनों टीमों के बीच अब तक 143 वनडे मैच हुए हैं। इनमें से 80 ऑस्ट्रेलिया जीता है। 53 में भारत को जीत मिली और 10 मैचों का नतीजा नहीं निकला। हालांकि, दोनों के बीच वनडे इतिहास का एक इंट्रेस्टिंग फैक्ट भी है। पहला मैच भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही हराया था।अब तक हुए 12 वनडे वर्ल्ड कप में 5 ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। इस टूर्नामेंट में भारत से खेले गए ज्यादातर मैच ऑस्ट्रेलिया ने ही जीते। इस सदी की शुरुआत में टीम को लगभग अजेय कहा जाता था। पहले दशक में ऑस्ट्रेलिया वनडे में हम पर हावी रहा। लेकिन, दूसरे दशक में भारत ने कहानी बदल दी। 6 दिसंबर 1980 को पहली बार वनडे क्रिकेट में भारत-ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने हुए थे। सुनील गावस्कर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने कंगारुओं को उनके गढ़ मेलबर्न के मैदान पर हराया था। भारत की 66 रनों की उस जीत का सेहरा संदीप पाटिल के सिर बंधा था। संदीप (64 रन और एक विकेट) ने दोहरा प्रदर्शन कर कंगारुओं को करारी शिकस्त दी थी। यह जीत इसलिए भी खास थी, क्योंकि भारतीय टीम को टेस्ट में कंगारुओं को उनकी सरजमीं पर पहली बार हराने में 30 साल लग गए थे। पिछले 13 साल की बात करें तो भारत ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी। कुल 39 वनडे खेले गए। भारत ने 18 तो ऑस्ट्रेलिया ने 19 वनडे जीते। 2 मैच का परिणाम नहीं निकल सका।

ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर हमारी स्थिति खराब

हमने भले ही कंगारुओं से उनके घर में पहला मैच जीता है, लेकिन ऑस्ट्रेलियन्स को उनके घर में हराना हमारे लिए कभी आसान नहीं रहा है। हमने ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में 54 मैच खेले हैं, लेकिन 14 ही जीत सके हैं।

यूपी पुलिस पर चलेगा मानवाधिकार आयोग का डंडा

पत्रकार हथकड़ी मामले में दर्ज किया केस, मंत्री गुलाब देवी से सवाल पूछने पर हुए थे गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल के पत्रकार को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तारी करने को मानवाधिकार आयोग ने आपत्ति जताते हुए केस दर्ज करने के आदेश दिये हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा संभल के पत्रकार संजय राणा को उत्तर प्रदेश सरकार की मंत्री गुलाबो देवी से सवाल पूछे जाने के बाद उन पर दर्ज हुए मुकदमे में हुई उनकी गिरफ्तारी में हथकड़ी के प्रयोग किए जाने की शिकायत पर केस नंबर 5283/24/75/2023 दर्ज कर लिया है।

अमिताभ ठाकुर ने कल मानवाधिकार आयोग को भेजी शिकायत में कहा था कि जो मुकदमा पत्रकार के ऊपर दर्ज हुआ है वह अपने आप में काफी संदिग्ध और विवादित है क्योंकि यह मुकदमा उनके द्वारा मंत्री से तीखे सवाल पूछे जाने के ठीक बाद दर्ज हुआ। इसी प्रकार इस मामले में पत्रकार की गिरफ्तारी भी अपने आप में विवादास्पद है, किंतु इतनी ही गंभीर बात यह है कि उस पत्रकार को हथकड़ियां लगाई गई जबकि सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को जब तक अत्यंत आवश्यकता ना हो, तब तक हथकड़ी ना लगाई जाए। अतः उन्होंने इस मामले को मानवाधिकार का घोर उल्लंघन बताते हुए मामले की जांच करा कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की थी।

गांव के विकास पर पूछा था सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल में शिक्षा विभाग की मंत्री से एक सभा में गांव के विकास को लेकर सवाल पूछना पत्रकार पर भारी पड़ गया था। कार्यक्रम के बाद पुलिस ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं से मारपीट करने का आरोप पर स्थानीय पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया था। इस बात-चीत का वीडियो पत्रकार ने जारी किया था। उसमें ये कहते हुए सुना जा सकता है, बुद्धनगर में एक भी बारातघर नहीं है, ना ही यहां पर सरकारी शौचालय है, आपने कहा था कि मंदिर से लेकर इस रोड को पक्का कराऊंगी, अभी तक ये रास्ता कच्चा है, बाइक से क्या पैदल चलने वाले लोग परेशान हो जाते हैं। आपने देवी मां के मंदिर की बाउंड्री का वादा भी किया था, आपने अभी तक उस पर भी कार्रवाई नहीं की, आपके दफ़्तर पर गांव के लोग गए, वहां भी सुनवाई नहीं हुई। पत्रकार अपनी बात रख ही रहा था कि पीछे से मंत्री के साथ मौजूद किसी महिला की आवाज़ आती है, आप समस्या रख रहे हो या अपना प्रचार कर रहे हो? जब तक जनता की आवाज़ आप तक नहीं पहुंचेगी, आप दावा करते हो कि काम किया है, लेकिन एक गांव में कोई काम ही नहीं हुआ तो हम क्या कहेंगे?। फिर पत्रकार गांव के लोगों से पूछता है, आपके गांव में विकास हुआ है ?

उमेश हत्याकांड: खुलासे नये-नये पर आरोपी अब भी पकड़ से दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड हुए लगभग 20 दिन हो चुके हैं पर पुलिस आरोपियों को अब तक पकड़ नहीं पाई है। हालांकि वह रोज नए-नए खुलासे कर रही है। साथ की आरोपियों पर इनाम की राशि भी बढ़ाती जा रही है। उधर एसटीएफ अतीक के फोन की डिटेल भी खंगाल रही है जिसमें उसने प्रयागराज के कुछ बड़े नेताओं से बात की थी।

इस हत्याकांड से जुड़ा एक और सीसीटीवी फुटेज आया है। इस वीडियो में वो शख्स आखिर तक गोलियां दागता नजर आ रहा है, जिसे अतीक अहमद का बेटा असद बताया जा रहा है। इस वीडियो में गोलियां चलाने के बाद एक शख्स बम फेंकता हुआ भी नजर आ रहा है। इसके बाद सब जगह धुआं ही धुआं नजर आता है। बता दें कि असद अभी फरार चल रहा है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। प्रयागराज में 24 फरवरी को हुए उमेश पाल हत्याकांड का ये नया सीसीटीवी फुटेज एक संकरी गली के अंदर गोली मारने का है। यह सीसीटीवी फुटेज उस गलियारे का है, जिसमें उमेश पाल कार से उतरते ही हमलावरों की गोलियां लगने के बाद गली में भागे थे। यह वही गली का सीसीटीवी फुटेज है, जिसमें साफ दिख रहा है कि उमेश पाल के ऊपर एक शूटर अंत तक गोलियां चलाता रहा।

पुलिस का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया

इस शूटर की पहचान लोग अतीक का बेटा असद के रूप में कर रहे हैं. हालांकि, इस वीडियो को लेकर अभी इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकी है कि गोली चलाने वाला शख्स असद ही है या नहीं। यूपी पुलिस ने भी इस बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

फोटो: सुमित कुमार

शुभारंभ हज़रतगंज स्थित यूनिवर्सल बुक स्टोर पर गौरैया सप्ताह का शुभारंभ करने पहुँचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को गौरैया के घर भी दिये, साथ ही लोगों को अपने घरों में गौरैया के लिए घोंसला लगाने के लिए भी जागरूक किया

जनता अदालत में एलडीए अफसर ने बुजुर्ग फरियादी को जड़ा थप्पड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

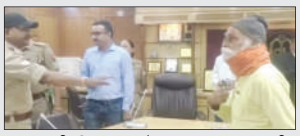

लखनऊ। एलडीए की जनता अदालत में बृहस्पतिवार को ऐशबाग निवासी बुजुर्ग मुकेश शर्मा को थप्पड़ मार दिया जिससे उसके कान से खून निकल आया। बुजुर्ग के अनुसार वह पिछले करीब 19 साल से अपने मकान पर कब्जे को लेकर एलडीए में संघर्ष कर रहा है। इसके बावजूद उसको न्याय नहीं मिल रहा है। इस पर वह एलडीए की जनता अदालत में अपनी फरियाद लेकर आया था।

अधिकारियों से जब वह अपनी बात कर रहा था तो इस मौके पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। एलडीए के विशेष कार्य अधिकारी डीके सिंह ने उसको एक जोरदार थप्पड़ मार दिया। इससे उसका चश्मा छिटक कर दूर गिरा। गाल के पास मांस फट गया और खून बहने लगा। उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी ने मौके पर पहुंचकर उनकी बात सुनी।

फोटो:4 पीएम

धरना लखनऊ। 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे पहले कल शिक्षा मंत्री के आवास का किया था घेराव।

लखनऊ व मथुरा समेत 14 जिलों में बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी का मौसम आज फिर करवट ले सकता है। मौसम विभाग ने 14 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में बादल छाए रहने के साथ बारिश की संभावना है। झांसी में सुबह से बादल छाए हैं। बुधवार को 37 डिग्री के साथ प्रयागराज और झांसी प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म रहे हैं। वहीं, 13.5 डिग्री के साथ मुजफ्फरनगर सबसे ठंडा शहर रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने बुलंदशहर, संभल, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, आगरा, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, उन्नाव, रायबरेली, हमीरपुर, बांदा और चित्रकूट जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान इन जिलों में 40- 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी और बिजली की गरज चमक भी देखने को मिलेगी। लखनऊ में अनुमान है कि न्यूनतम तापमान 15 से 18 डिग्री के आस-पास रहेगा।

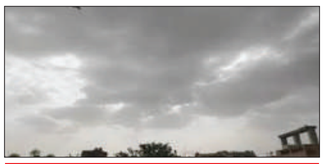

ठंडी हवाएं गर्मी से दिलाएंगी राहत

पहाड़ी राज्यों में मौसम ने करवट ली है। इसलिए यूपी के तराई इलाकों में अचानक मौसम बदल गया। मौसम विभाग ने 16 और 17 मार्च के आस-पास मौसम बदलने का अलर्ट जारी किया था। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।